भारत सरकार
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1228

मंगलवार, 03 दिसंबर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

पीएलआई योजना के उद्देश्य

1228. श्री अ. मनिः

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना के प्राथमिक उद्देश्यों का ब्यौरा क्या है और इसकी सफलता को मापने के लिए मानदंड क्या हैं;

(ख) उक्त पीएलआई योजना द्वारा देश के विभिन्न क्षेत्रों में कुल कितने रोजगार सृजित किए गए हैं;

(ग) पीएलआई समर्थित परियोजनाओं के माध्यम से सृजित रोजगार का राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और;

(घ) क्या सरकार का विचार पीएलआई योजना का दायरा बढ़ाकर विनिर्माण क्षेत्र को प्रोत्साहन देने और रोजगार सृजन करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (घ): भारत के 'आत्मनिर्भर' बनने के विजन को ध्यान में रखते हुए, विनिर्माण क्षमताओं और निर्यात को बढ़ाने हेतु 14 प्रमुख क्षेत्रों के लिए 1.97 लाख करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ उत्पादन सम्बद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीम की घोषणा की गई है।

ये 14 क्षेत्र हैं: (i) मोबाइल विनिर्माण और विशिष्ट इलेक्ट्रॉनिक घटक, (ii) महत्वपूर्ण प्रारंभिक सामग्री/ मध्यवर्ती औषधि और एक्टिव फार्मास्युटिकल सामग्री, (iii) चिकित्सा उपकरणों का विनिर्माण (iv) ऑटोमोबाइल और ऑटो घटक, (v) फार्मास्युटिकल औषधियां, (vi) विशिष्ट इस्पात, (vii) दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पाद, (viii) इलेक्ट्रॉनिक/प्रौद्योगिकी उत्पाद, (ix) व्हाइट गुड्स (एसी और एलईडी) (x) खाद्य सामग्री, (xi) वस्त्र उत्पाद: एमएमएफ श्रेणी और तकनीकी वस्त्र, (xii) उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल्स, (xiii) एडवांस केमिस्ट्री सेल (एसीसी) बैटरी, और (xiv) ड्रोन और ड्रोन घटक।

पीएलआई स्कीमों का उद्देश्य प्रमुख क्षेत्रों में निवेश और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को आकर्षित करना; विनिर्माण क्षेत्र में बड़े पैमाने की किफायत करना एवं भारतीय कंपनियों और विनिर्माताओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है। इन स्कीमों में लगभग अगले पांच सालों में उत्पादन, रोजगार और आर्थिक विकास को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देने की क्षमता है।

सभी 14 क्षेत्रों के लिए पीएलआई स्कीम संबंधित मंत्रालयों/विभागों द्वारा विधिवत अनुमोदन के बाद अधिसूचित की गई हैं। ये स्कीमें कार्यान्वयनकारी मंत्रालयों/विभागों द्वारा कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं।

सभी 14 क्षेत्रों में अगस्त, 2024 तक, 1.46 लाख करोड़ रुपए का वास्तविक निवेश प्राप्त हुआ है जिसके परिणामस्वरूप 12.50 लाख करोड़ रुपए से अधिक की वृद्धिमान उत्पादन/बिक्री हुई है और 9.5 लाख से अधिक रोजगार सृजित हुआ है। पीएलआई स्कीम के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों के महत्वपूर्ण योगदान से निर्यात 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है।

******